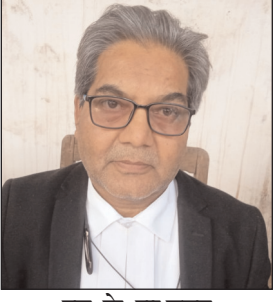


दुमका रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिंग यार्ड ने लोगों का जीना किया दूभर

अधिवक्ताओं ने कोयला यार्ड को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग



एस. के. झा सुमन
दुमका। शहर के घनी आबादी वाले रेलवे स्टेशन पर बने कोयला रैक के कारण आम लोगों का तो जीना दूभर हो ही गया है स्टेशन के आसपास रहने वाले मोहल्ले के लोग हो या गांवों के लोग में तो बात छोड़ दीजिए यहां का पत्ता पत्ता जो हरे भरे रहते थे वह अब कोयला से उठने वाले धूल कणों ने अपने आंगोश में लेता जा रहा है। पेड़ों पर कोयला से हो रहे प्रदूषण के कारण काला पड़ जाना तो आम लोगों के सांस के जरिए शरीर



के अंदर जाने वाला यह कम कितना घातक सिद्ध होता होगा। इसका अंदाजा भी लगाना कठिन है। अब आम लोगों पर इसका असर पड़ना शुरू हो गया है। आसपास के रहने वाले ग्रामीणों के घरों में लोग कोयला के कणों को हटाने के लिए घंटों मेहनत कर रहे हैं। यहां बता दें कि शहर वासियों द्वारा समय-समय पर आंदोलन किया जाता रहा है इसके बावजूद अब तक इसका कोई फलफल नहीं निकला है इसे लेकर अधिवक्ताओं से बात की गई तो



उन्होंने दी अपनी राय
कोयला डंपिंग यार्ड को अन्यत्र शिफ्ट किया जाए : राकेश कुमार
जिला अधिवक्ता संघ के सचिव राकेश कुमार यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कोयला रैक के कारण पूरे स्टेशन एरिया ही नहीं बल्कि आसपास के रहने वाले घनी आबादी भी प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इसे कहीं अन्यत्र शिफ्ट किया जाए जिससे कि



पर्यावरण की रक्षा तो होगी ही साथ ही मानव जीवन को भी बचाया जा सकेगा।
कोयला डस्ट से लोग परेशान : सुबोध प्रसाद
वरीय अधिवक्ता सुबोध प्रसाद राय ने दुमका में कोयला डंपिंग यार्ड को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि दुमका रेलवे स्टेशन पर ऐसा कोई जगह नहीं बचा है जहां की आप बैठ सकें यानी कि कोयला डस्ट से लोग यहां परेशान हैं निश्चित तौर पर

स्वास्थ्य पर इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है पर्यावरण की तो बात ही नहीं कीजिए इसलिए इसे अन्यत्र शिफ्ट करके आम लोगों के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जा सकता है।

उन्होंने कहा की कोयला से उठने वाले धूल कणों से अब बच्चे बूढ़े बड़े सभी पर इसका असर पड़ रहा है या अब जानलेवा सिद्ध होते जा रहा है।

आने वाले समय में डंपिंग यार्ड बीमार

गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत का वादा बना मजाक

उप राजधानी दुमका में दुमका पटना के बीच चलने वाली ट्रेन के उद्घाटन समारोह में पहुंचे गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दूबे ने यहां की जनता के साथ वादा करते हुए कहा था कि 2024 के अंत तक दुमका रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिंग यार्ड को हटाने में हटा लिया जाएगा। लेकिन 2024 तो खत्म हो गया 2025 आ गया लेकिन धरातल पर ऐसा कोई प्रयास नहीं दिख रहा है। इसलिए यह साफ कहा जा सकता है कि डॉ निशिकांत दूबे का वादा दुमका में फल हो गया। गौरतलब है कि दुमका को विकास के सपने दिखाने वाले राजनेताओं ने तो प्रयास नहीं ही किया, यहां के स्थानीय नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ता भी इस मामले में उदासीन हैं जिसका फायदा चंद लालचो ठेकेदार और कंपनियों उठा रही है। बात बात पर आंदोलन करने वाले छत्र भी इस मामले में चुपभी साधे रहते हैं।

शिक्षण संस्थानों पर कोयला डंपिंग यार्ड के धूलकण का पड़ने लगा है असर

कोयला डंपिंग यार्ड के कारण चंद फीट की दूरी पर स्थित राजकीय पोलिटिकल कॉलेज, दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज, आदित्य नारायण महाविद्यालय, आई टी आई, संथाल परगना महाविद्यालय के साथ साथ दर्जनों निजी विद्यालयों में पढ़ने वाले छोटे छोटे बच्चों पर इसका पड़ना होगा यह सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

का बड़ा कारण होगा : मो राजा
वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद राजा खान ने कहा की दुमका रेलवे स्टेशन पर पांव रखते ही लगता है कि किसी कोयला खदान पर वह खड़े हैं। जिस प्रकार से यहां के लोगों के साथ कोयला डंपिंग यार्ड बनाकर मजाक किया गया है वह बहुत ही गंभीर है।

जितना आसानी से समझा जा रहा है वह है नहीं है। दरअसल आने वाले समय में यह बीमारी का एक बहुत बड़ा कारण होगा। मो खान ने कहा कि जब तक यहां से कोयला डंपिंग यार्ड को नहीं हटाया जाएगा तब तक या किसी कीमत पर आदर्श स्टेशन कोयला डंपिंग यार्ड बनाकर मजाक कर्ताई नहीं बन सकता। आप सुविधा कितना भी बढ़ा लो लेकिन जिस स्टेशन पर गंदगी का भरमार होगा कोयला कर्ता के कारण बच्चों पर महिलाओं पर बुजुर्गों पर किस तरह नुकसान पहुंचा रहा है इसका अंदाजा संबंधित कंपनी को नहीं है और अगर है भी तो माया जाल में सभी को ताक पर रख दिया गया है।

ओलचिकी लिपि से दुमका रेलवे स्टेशन के साइन बोर्ड में लिखा नाम मिटाये जाने से आदिवासी समाज में विरोध

आदिवासी संगठनों ने रेलवे प्रशासन से दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग



संताल एक्सप्रेस संवाददाता
दुमका। दुमका रेलवे स्टेशन के नाम पट्ट पर हिंदी, अंग्रेजी एवं क्षेत्रीय संताली भाषा के ओल चिकीलिपि में लिखे गए साइन बोर्ड से बीती रात असामाजिक तत्वों द्वारा सिर्फ आदिवासियों के संताली भाषा के

संस्कृति का अपमान करता है, बल्कि क्षेत्रीय भाषाओं के सम्मान और संवैधानिक अधिकारों पर भी सीधा आघात है। मंगलवार को सभी सामाजिक संगठनों के समन्वयक प्रतिनिधि मंडल ने मिलकर दुमका रेलवे स्टेशन प्रबंधक को लिखित आवेदन देकर मांग किया है कि दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराया जाय और इस घटना की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों को जल्द से जल्द चिन्हित कर कठोर कार्रवाई की जाए। इसके साथ-साथ यह भी मांग की गई है कि दुमका रेलवे स्टेशन के नाम पट्ट पर पुनः क्षेत्रीय आदिवासी संताली भाषा के ओलचिकी लिपि से भी स्टेशन का नाम लिखा जाय और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी निगरानी और सुरक्षा कड़ी की जाए ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। इस मौके पर सुभाष किस्कू, परेशा मुर्मू, सोनाधन बेसरा, बलदेव सोरेन, संजय किस्कू, पिंटू हंसदा, दास सोरेन, महेश हेंडम, सुनील टुडू, महेंद्र हेंडम, कमीशनर मुर्मू, रघुनाथ मरांडी, सुंदर हंसदा, हेमलाल बास्की, सुरथ मुर्मू, सोनेलाल मुर्मू, रमेश टुडू, धर्मेन्द्र मुर्मू, मानवेल हंसदा, लखीराम हंसदा, एमेल मरांडी, सुनील मरांडी आदि उपस्थित थे।

एसकेएमयू के परीक्षा नियंत्रक डॉ जयकुमार को मिला राजभवन से छह माह का सेवा विस्तार

दुमका। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ जयकुमार साह का राजभवन की ओर से छह माह का सेवा विस्तार दिया गया है। इस संबंध में राजभवन ने विश्वविद्यालय को मंगलवार को एक पत्र भेज दिया है। उक्त पत्र के आलोक में कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने मंगलवार को डॉ साह का सेवा विस्तार सम्बन्धित अधिसूचना जारी कर दी है। प्राप्त आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय के वर्तमान परीक्षा नियंत्रक डॉ साह को एक माह से अधिकतम छह माह अथवा जेपीएससी से नियमित नियुक्ति होने तक के लिए सेवा विस्तार दिया गया है।

ट्रक और स्कूटी के बीच जोरदार टक्कर, घायल नौनीहाट
हंसडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत दुमका हंसडीहा मुख्य मार्ग पर मूको पूल के समीप कटेनर ट्रक और स्कूटी के बीच आमने सामने जोरदार टक्कर हो जाने से स्कूटी सवार के गंभीर रूप से घायल हो जाने की घटना प्रकाश में आई है। मिली जानकारी के अनुसार ट्रक हंसडीहा से दुमका की ओर जा रही थी वहीं स्कूटी चालक दुमका की ओर से हंसडीहा की ओर अपने घर जा रहा था। इसी बीच सामने से आ रही ट्रक जो कि सड़क के दूसरी ओर गलत दिशा से आ रही थी को देख कर अचानक अपना संतुलन खो बैठा जिस वजह से यह घटना घटी। घायल व्यक्ति की पहचान मुंशी मुर्मू के रूप में हुई है जो कि सिल्टा पंचायत के सिल्टर गाँव का निवासी बताया जा रहा है।

सम्मान समारोह को लेकर सांसद नलिन सोरेन को दिया आमंत्रण



संताल एक्सप्रेस संवाददाता
दुमका। मानवाधिकार ग्राम रक्षा दल भारत का सभी सदस्यों की ओर से पी. डब्ल्यू.आई.बी. रघुनाथपुर के प्रांगण में 7 अप्रैल होने वाले सम्मान समारोह में सांसद नलिन सोरेन उपस्थित को लेकर सांसद के निजी आवास काटोकंड में मंगलवार को एक निवेदन पत्र दिया गया है जिसमें कहा गया है कि क्षेत्रीय विधायक और जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, आयुक्त, गनशर प्रखण्ड के थाना प्रभारी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचल पदाधिकारी रनीश्वर सभी माननीय और सभी श्रीमान का सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। जिला का सभी मानवाधिकार ग्राम रक्षा दल भारत का सभी सदस्यों का हौसला बढ़ाने एवं जिला झारखण्ड में एक मिशाल कायम कर सके ताकि केन्द्र में और पूरे हिन्दुस्तान में दुमका जिला झारखण्ड राज्य का सभी मानवाधिकार ग्राम रक्षा दल भारत का सदस्य अपना पहचान बना सके। झारखण्ड के विकास में यह संगठन कंधे से कंधे मिलाकर आगे बढ़ सके।



नवचयनित

49 प्रशिक्षण अधिकारियों

का नियुक्ति पत्र वितरण समारोह



मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री राधा कृष्ण किशोर
माननीय मंत्री, वित्त विभाग, वाणिज्य-कर विभाग, योजना एवं विकास विभाग, संसदीय कार्य विभाग

श्री संजय प्रसाद यादव
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, उद्योग विभाग

दिनांक : 05 मार्च, 2025 | समय : 1 बजे अपराह्न

स्थान : प्रोजेक्ट भवन सभागार, धुर्वा, रांची

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार